

IN THE HIGH COURT OF UTTARANCHAL AT
NAINITAL
WRIT PETITION NO. 281 (SS) OF 2004

Shakuntala
D/o late Chandra
R/o Village Ashadale Compound
Sukhatal, Nainital
District- Nainital Petitioner.

Versus

1. State of Uttaranchal, through Secretary, Urban Development, Dehradun.
2. The Director, Local Bodies, Dehradun.
3. Chairman Nagar Palika Parishad, Nainital, District Nainital
4. The Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Nainital, District Nainital. Respondents.

*Ms. B.S. Khanka, Advocate for the petitioner.
Learned Standing Counsel for the respondents.*

Dated : 28.03.2006

Hon'ble Rajesh Tandon, J.

By the present writ petition, the petitioner has prayed for a writ of mandamus commanding and directing the respondents to give appointment in place of her mother. Further prayer has been made for a writ of mandamus commanding and directing the respondent to pay the arrears of dues of her mother to the petitioner.

Briefly stated, the mother of the petitioner Smt. Chandra Devi died on 10.8.1999 in harness, who was working in the B.D. Pandey Hospital, Nainital. She left behind two daughters,

petitioner is one of them, who were living with her mother and fully dependent upon her.

After the death of her mother, the petitioner sent a representation to the President Nagar Palika, Nainital on 28.11.2001 requesting for payment of arrears of fund, gratuity, insurance and encashment and the respondents directed the E.O. Nagar Palika for clearance of dues of the petitioner.

When the petitioner didn't clear the dues of the petitioner, she again made a representation on 21.07.2003 for employment in place of her mother.

Petitioner has submitted that she has no other source of livelihood and she has come on the verge of starvation and is facing financial crisis.

A counter affidavit has been filed, where the respondents have filed a copy of the order dated 27th April, 2004 by which the claim for compassionate appointment under Dying in Harness Rules has been cancelled on the basis of the G.O. dated 31st August, 2002.

It may be appointed out that the G.O. dated 31st August, 2002 has already been withdrawn on 31st October, 2002. Both the orders are quoted below:-

G.O. dated 31st August, 2002:-

5. मृतक कुटुम्ब के किसी सदस्य की भर्ती:-

(1) यदि इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पश्चात किसी सरकारी सेवक की सेवाकाल में मृत्यु हो जाये तो उसके कुटुम्ब के ऐसे एक सदस्य को जो, केन्द्रीय सरकार या राज्य के अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम के अधीन पहले से सेवायोजित न हो, इस प्रयोजन के लिए आवेदन करने पर भर्ती के सामान्य नियमों को शिथिल करते हुए, सरकारी सेवा में ऐसे पद का छोड़कर, जो उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्रान्तर्गत हो किसी पद पर उपयुक्त सेवायोजन प्रदान किया जायेगा, यदि ऐसा व्यक्ति:-

(एक) पद के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं पूरी करता हो:

(दो) सरकारी सेवा के लिए अन्यथा अर्ह हो: और

(तीन) सरकारी सेवक की मृत्यु के दिनांक से पाँच वर्ष के भीतर सेवायोजन के लिए आवेदन करता है:

परन्तु जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाये कि सेवायोजन के लिए आवेदन करने के लिए नियम समय सीमा से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है, वहाँ वह अपेक्षाओं को, जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है।

(2) ऐसा सेवायोजन, यथासंभव, उसी विभाग में दिया जाना चाहिए जिसमें मृत सरकारी सेवक अपनी मृत्यु के पूर्व सेवायोजित था।

(3) 'उपनियम (1) के अधीन की गई प्रत्येक नियुक्ति, इस शर्त के अधीन होगी कि उपनियम (1) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, मृतक सरकारी सेवक के परिवार के अन्य सदस्यों का अनुरक्षण करेगा जो कि स्वयं का अनुरक्षण करने में असमर्थ है और उक्त मृतक सरकारी सेवक पर उसकी मृत्यु के ठीक पूर्व आश्रित थे।'

G.O. dated 31st October, 2002:-

अधिसूचना संख्या 849/का -2-2002, दिनांक 23 अगस्त 2002 द्वारा उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृतक सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती सेवा नियमावली 1974 का अनुकूलन एवं उपान्तरण किया गया है। उक्त अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश जारी करने के साथ ही त्रुटिवश अधिसूचना संख्या 194/का-2-2002, दिनांक 31 अगस्त, 2002 द्वारा उत्तरांचल सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली 2002 जारी हो गयी है। चूँकि अधिसूचना संख्या 849/का-2-2002, दिनांक 23 अगस्त 2002 द्वारा उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृतक सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती सेवा नियमावली 1974 का अनुकूलन किया जा चुका है। अतः अधिसूचना संख्या 194/का-2-2002 दिनांक 31 अगस्त 2002 द्वारा जारी उत्तरांचल सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली 2002 को एतद्वारा नियमावली के प्रख्यापन की तिथि अर्थात् दिनांक 31-8-2002 से निरस्त किया जाता है।

यह समझा जायेगा कि जैसे उक्त नियमावली प्रख्यापित ही नहीं हुई थी।”

In the view of the aforesaid fact, writ petition is allowed. The matter is sent back of the respondent, who shall reconsider the same within a period of two months from the date of production of the certified copy of the order in accordance with law and shall release the amount due towards the petitioner.

No order as to costs.

(Rajesh Tandon, J.)

28.03.2006

Rathour